वार्षिक रिपोर्ट

2012-13

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व
और
धारणीयता

अक्तूबर, 2013

सीएसआर एवं एसडी प्रभाग

निगमित कार्यालय

एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सेक्टर–33, फरीदाबाद

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व व्यापार संगठनों द्वारा नैतिकतापूर्ण व्यवहार करने तथा आर्थिक विकास में योगदान देने की सतत प्रतिबद्धता के साथ–साथ विशेष रूप से स्थानीय समुदाय तथा वृहत्तर तौर पर समूचे समाज की जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और धारणीय विकास दो ऐसे पहलू है जिन्हें अलग–अलग करके नहीं देखा जा सकता। दोनों एक दूसरे के पूरक है और समाज एक साम्य तरीके से तब ही चल सकता है जब व्यापार परिवेश, आर्थिक परिवेश, तकनोलॉजी परिवेश तथा प्राकृतिक परिवेश अर्थात हमारे प्रचुर आर्थिक संसाधन की धारणीयता सुरक्षित हों।

सीएसआर कार्यों को एनएचपीसी की कई परियोजनाओं तथा विद्युत स्टेशनों में पूरी उत्कंठा तथा प्रतिबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है। सीएसआर और धारणीयता हस्तक्षेपों के क्रियान्वयन के पश्चात, प्रभाव आकलन अध्ययन के साथ एक विश्लेषण भी किया जाना चाहिए ताकि लाभग्राही जनसंख्या के जीवन की गुणवत्ता में परिवर्तन को रिकार्ड किया जा सके। जल विद्युत परियोजनाओं की धारणीयता के अध्ययन हेतु एक मॉडल विकसित करने की भी आवश्यकता है विशेष रूप से समाप्त हो रहे प्राकृतिक संसाधनों, सामाजिक एवं मनोवृति परिवर्तनों और वैश्विक पर्यावरण में हो रहे

परिवर्तन के आलोक में, जो प्राकृतिक आपदाओं तथा प्रलय में परिणत हो रहा है।

मैं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और धारणीय विकास विभाग को वर्ष 2012–13 हेतु यह वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने पर बधाई देता हूं। यह प्रगति रिपोर्ट निश्चित रूप से उन क्षेत्रों की पहचान करेगी जहां एनएचपीसी को फील्ड स्तर पर किए गए हस्तक्षेपों की और धारणीयता सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाने की आवश्यकता है।

हस्ता. / –

(जी.साई प्रसाद)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संदेश

सीएसआर और धारणीयता अनिवार्यतः जिम्मवारीपूर्ण तरीके से व्यापार के चालन के तरीके है और सामान्यतः यह प्रत्याशा की जाती है कि सामाजिक रूप से उत्तरदायी संगठन प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग प्रक्रियाविधियों में पारदर्शिता के माध्यम से संगठनात्मक एकीकरण तथा नैतिकतापूर्ण व्यापार व्यवहारों को बढ़ावा देने के लिए पहलें करेंगे। सीएसआर तथा धारणीयता नीतियों के क्रियान्यवन में किसी व्यापार संगठन को अपनी पहुंच तथा निगरानी का विस्तार समूचे आपूर्ति–चेन नेटवर्क में करना चाहिए ताकि जहां तक संभव हो आपूर्तिकर्ताओं, विक्रेताओं, सेवा प्रदाताओं, ग्राहकों तथा भागीदारों की भी संगठन के समान ही निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व एवं धारणीयता के समान सिद्धांतों तथा मानकों के प्रति प्रतिबद्धता को सुनिश्चित किया जा सके।

वर्ष 2012–13 के दौरान, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार और एनएचपीसी लिमिटेड के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिधीय विकास, कौशल विकास आदि पर सीएसआर पहलों को शामिल किया गया था। इसके अतिरिक्त, गांवों में स्वच्छता सुविधाओं में सुधार, सामुदायिक विकास कार्यक्रम तथा कई अन्य कार्यक्रमों/क्रियाकलापों जैसे कि कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण सहायता और

कृषि उत्पादों के विपणन/खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों आदि हेतु राज्य सरकार/अन्य स्थानीय निकायों की सहायता आदि को क्रियान्वयन हेतु लिया गया था। स्थानीय महोत्सवों आदि को प्रायोजित किए जाने के माध्यम से ग्रामीण खेलों/स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु एनएचपीसी के स्थलों के आस–पास देश के विभिन्न भागों में कई कार्यक्रम लिए गए थे। वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान सीएसआर एवं एसडी क्रियाकलापों में 15.73 करोड़ रूपए का व्यय किया गया है।

सामाजिक धारणीयता और एक धारणीय तरीके से जल विद्युत परियोजनाओं के विकास को सुनिश्चित करने के लिए एनएचपीसी को एक समग्र एप्रोच के साथ आगे बढ़ना होगा क्योंकि प्राकृतिक आपदाओं, हितबद्धों की बढ़ी हुई आशाओं, विरोध करने वाले कार्यकर्ता समूहों के निहित स्वार्थ, छद्म पर्यावरणविद आदि से कई खतरे है जो संगठनात्मक उद्देश्यों तथा प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने में कंपनी के प्रयासों में बाधा डाल सकते है।

हस्ता./–

(डी.पी.भार्गव)

निदेशक (तकनीकी)

आभारोक्ति

निगमित निकायों द्वारा सामाजिक–आर्थिक विकास और पर्यावरणीय मुद्दों में अदा की जा रही भूमिका के संबंध में समाज की जागरूकता तथा आशाओं में वृद्धि हुई है। यह धारणीय वृद्धि को प्राप्त करने के लिए एक नई व्यापार व्यवस्था में परिणत हुआ है जिसमें कर्मचारी से लेकर समग्र समुदायों तक सभी हितबद्धों को शामिल किए जाने के साथ पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने और संगठनात्मक उद्देश्यों के संतुलन को प्राप्त किया जाता है।

हमारे निगम द्वारा भी एक विनम्र शुरूआत की गई है। यह शुरूआत एनएचपीसी और स्थानीय समुदाय के मध्य विश्वास के कंभी न समाप्त होने वाले संबंध में परिणत होगी, और एक सामाजिक तथा पर्यावरणीय रूप से धारणीय तरीके से जल विद्युत परियोजनाओं के विकास में एनएचपीसी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ बनाएगा।

यह हर्ष का विषय है कि एनएचपीसी का सीएसआर और धारणीय विकास विभाग वर्ष 2012–13 हेतु सीएसआर एवं धारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। यह रिपोर्ट निगम की व्यापार मौजूदगी वाले क्षेत्रों के आस–पास में निगम द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य देख–रेख, परिधीय

विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास आदि में सुधार हेतु निगम द्वारा लिए गए क्रियाकलापों को एक लेखा–जोखा है। वर्षा जल संचयन, स्वैच्छिक वनीकरण, सौर प्रकाश प्रणालियों को स्थापित करके ऊर्जा संरक्षण और कार्बन फुटप्रिंट आदि को कम करने हेतु पर्यावरणीय पहलों आदि जैसे धारणीय विकास प्रयासों को भी परियोजना स्थलों पर क्रियान्वित किया गया है।

मैं सीएसआर और धारणीय विकास पहलों के क्रियान्वयन में श्री जी.साई प्रसाद, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और श्री डी.पी.भार्गव, निदेशक (तकनीकी) के समर्थन एवं मार्गदर्शन का आभारी हूं।

मैं क्षेत्रीय कार्यालयों, परियोजनाओं तथा विद्युत स्टेशनों द्वारा अपने संबंधित स्थलों पर सीएसआर एवं धारणीय विकास पहलों के क्रियान्वयन हेतु किए गए प्रयासों की सराहना करता हूं। यह आशा की जाती है कि सभी द्वारा, न केवल निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने बल्कि एक समग्र तरीके से जल विद्युत परियोजनाओं के विकास हेतु एक अनुकूल परिवेश को विकसित करने के लिए ईमानदारी पूर्ण तरीके से प्रयास किए जाएंगे।

अंत में, परंतु इसका महत्व किसी प्रकार से कम नहीं है, मैं एक समग्र तरीके से इस वार्षिक रिपोर्ट को प्रकाशित करने में समूचे सीएसआर एवं एसडी विभाग द्वारा किए गए कठोर परिश्रम की सराहना करता हूं। मैं आश्वस्त हूं कि यदि सीएसआर एवं धारणीयता सिद्धांतों को एक रणनीतिक कृत्य में बदला जाए, तो हम प्रकृति के अनुकूल समग्र सामाजिक–आर्थिक वृद्धि के

साथ निगमित उत्कृष्टता के एक श्रेष्ठ मिश्रण को प्राप्त कर लेंगे।

हस्ता./–

(बी.आर.सराफ)

कार्यपालक निदेशक (सीएसआर एवं एसडी)

विषय–वस्तु

1	प्रस्तावना	....	1
2	सीएसआर तथा एसडी का एक साथ मेल–मिलाप	....	2
3	एनएचपीसी में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व	....	2
4	एनएचपीसी में धारणीय विकास	....	6
	भाग–क : निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व		
	खंड–1		
5	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु एमओयू लक्ष्य तथा उपलब्धियां	....	9
	खंड–2		
6	वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान आवंटित बजट की तुलना में प्रयुक्त बजट	....	13
	खंड–3		
7	वित्त वर्ष 2012–13 में क्षेत्र–वार सीएसआर क्रियाकलाप	....	17
	खंड–4		
8	कौशल विकास–औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का उन्नयन	....	41
	भाग–ख– धारणीय विकास		
1	एमओयू कार्य–निष्पादन संकेतकों तथा लक्ष्यों के प्रति प्राप्ति	....	56
2	एनएचपीसी की धारणीय विकास नीति का निरूपण और एसडी समिति का गठन	....	62
3	एसडी क्रियाकलापों की क्रियान्वयन स्थिति	....	64

1. प्रस्तावना

आज, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) एक काफी अधिक परिपूर्ण विषय है। विशिष्ट रूप से यह धारणीय विकास के प्रति किसी कंपनी का उत्तरदायित्व है : आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय रूप से। अच्छे सीएसआर को एक बोझ के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए : इससे व्यापार तथा समुदाय दोनों को ही लाभ होने चाहिए। इसकी कुंजी इसे किसी सामरिक परिसंपत्ति या विशिष्ट क्षमता में निवेश के रूप में देखने की है, बजाए एक व्यय के। आखिरकार, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व से ही किसी कंपनी का चरित्र झलकता है। इसका आचरण ही वह पैमाना होगा जिससे अधिकाधिक रूप से इसके बारे में राय कायम की जाएगी।

व्यापार के एक निहित पहूल के रूप में सीएसआर के बढ़ते हुए महत्व को देखते हुए, व्यापार के सामाजिक उत्तरदायित्व में शामिल होने वाली प्रक्रियाओं के सामाजिक लेखांकन में भी तदनुरूपी वृद्धि हुई है। आज, सीएसआर नियमों तथा विनियमों के पालन तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह आम आदमी की आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है। इसे संगठन के दृष्टिकोण तथा रणनीतियों का एक अभिन्न भाग भी बनाया जाना चाहिए। सीएसआर की परंपरागत एप्रोच धर्मार्थ स्वरूप की थी। आज, सीएसआर की अवधारणा परोपकार तथा धर्मार्थ को लांघ चुकी है और फोकस केवल तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के बजाए धारणीयता पर है। सीएसआर विधि तथा पर्यावरणीय विनियमों का पालन करने तक ही सीमित नहीं रहता है। समाज के सीमांत तथा वंचित तबके के आवश्यकताओं को पूरा करने का उत्तरदायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है जिसमें निगमित निकाय भी शामिल हैं।

सीएसआर सामाजिक मूल्यों के साथ व्यापार प्रचालन का ताल–मेल बिठाना है। यह कंपनी की व्यापार नीतियों तथा कृत्यों में हितधारकों का हित है। सीएसआर कंपनी की सामाजिक, पर्यावरणीय तथा वित्तीय सफलता पर ध्यान केन्द्रित करता है – व्यापार सफलता प्राप्त करते हुए सामाजिक विकास प्राप्त करने के लिए तथाकथित तिहरी आधार रेखा। सीएसआर में उपलब्धियां संगठन को सामाजिक सम्मान देती है।

2. सीएसआर और धारणीयता का एक साथ मेल–मिलाप

सीएसआर एक विचार के रूप में उभर कर आया है; एक ऐसा विचार जो धीरे–धीरे एक स्पष्ट व्यवहारिक कार्यक्रम का रूप धारण कर रहा है, तथा व्यापार को एक नया अर्थ प्रदान कर रहा है।

समय के साथ, धारणीयता और धारणीय विकास (एसडी) की अवधारणा सीएसआर के साथ एकीकृत हो गई है। एक व्यापक क्षितिज में, सीएसआर और धारणीय विकास एक दूसरे के अनुपूरक है। वर्ल्ड कमीशन ऑन एन्वायरनमेंट एंड डेवलपमेंट (डब्ल्यूसीईडी) ने अपने ''हमारा समान भविष्य'' शीर्षक वाली रिपोर्ट में ''धारणीय विकास'' की अवधारणा प्रारंभ की जिसमें इसे ''ऐसा विकास जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने की आने वाली पीढ़ियों की क्षमता के साथ समझौता किए बिना वर्तमान की आवश्यकताएं पूरा करता हों'' के रूप में परिभाषित किया गया है। अतः धारणीय विकास की अवधारणा एक पर्यावरणीय रूप से जिम्मेवार तथा अनुकूल तरीके से आर्थिक एवं सामाजिक विकास के प्रति संतुलित एप्रोच की बात कहती है।

3. एनएचपीसी में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

सीएसआर के प्रति एनएचपीसी की प्रतिबद्धता इसे निगमित उद्देश्य में प्रतिबिम्बित होती है जो कहता है :

''परियोजनाओं का एक लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल तथा सामाजिक–आर्थिक रूप से उत्तरदायी तरीके से निष्पादन तथा प्रचालन करना।''

अपनी जारी समुदाय विकास पहलों पर अधिक बल देने तथा फोकस करने के लिए एनएचपीसी ने विद्युत स्टेशनों/परियोजनाओं/यूनिटोंपर 2010–11 से सीएसआर पहलों पर डीपीई दिशा–निर्देशों के अनुरूप निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पर एक पूर्ण योजना अंगीकृत की है जिसमें बोर्ड के अनुमोदन से एक पृथक निधि आवंटित की गई है और

सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों को आवश्यकता आकलन सर्वेक्षण (एनएएस)/आधार रेखा सर्वेक्षणों के आधार पर लिया जाता हैं।

सीएसआर को 2008–09 से एनएचपीसी और विद्युत मंत्रालय के मध्य हस्ताक्षरित किए जाने वाले समझौता ज्ञापन (एमओयू) में एक एमओयू मानदंड के रूप में भी स्थान दिया गया है।

- वित्त वर्ष 2008–09 तथा 2009–10 हेतु एमओयू में, सीएसआर को 0.5 प्रतिशत का अधिभार दिया गया था जिसके लिए उक्त मानदंड के प्रति एनएचपीसी ने उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त की थी।
- वित्त वर्ष 2010–11 के बाद से एमओयू के अंतर्गत सीएसआर अधिभार को बढ़ा कर 5 प्रतिशत कर दिया गया था और एमओयू के अंतर्गत सीएसआर लक्ष्य अब क्रियाकलाप आधारित है जिसे संबंधित विद्युत स्टेशनों/परियोजनाओं को संप्रेषित कर दिया गया है।
- लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी ''सीएसआर पर दिशा–निर्देशों'' ने भी आधार रेखा डाटा उत्पन्न करने के लिए सीपीएसई द्वारा आधार–रेखा सर्वेक्षण किए जाने को बाध्यकारी किया है जिसे व्यावसायिक एजेंसियों द्वारा किया जा सकता है और जिसके आधार पर समाज में सामाजिक–आर्थिक अंतर को कम करने के लिए सीपीएसई द्वारा भविष्य की सीएसआर परियोजनाओं/कार्यक्रमों को लिया जा सकता है।

यूनिट स्तर सीएसआर के अंतर्गत कवर किए गए कार्यक्रम :

चूंकि एनएचपीसी के विद्युत स्टेशन/परियोजनाएं समूचे भारत में भिन्न सामाजिक–आर्थिक स्थिति के अंतर्गत अवस्थित है, सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की पहचान तथा निरूपण स्थल विशेष की विशिष्ट आवश्यकता तथा अपेक्षा के आधार पर किया जाता है। इस आश्य हेतु क्रियाकलापों की एक समूची श्रृंखला की पहचान की गई है जिसे एक बड़ी सीमा तक विद्युत स्टेशनों/परियोनाओं में तथा उनके आस–पास प्रारंभ किया गया है। इन क्रियाकलापों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं :

1. शिक्षा :

(1) लोगों के कौशलों तथा नियोजनप्रदता में सुधार करने के लिए कौशल विकास/व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना। इसमें लोगों को व्यावसायिक प्रशिक्षण, आईटीआई प्रशिक्षण, कम्प्यूटर प्रशिक्षण आदि के लिए प्रायोजित करना शामिल है।

(2) निकटवर्ती स्कूल या एनएचपीसी टाउनशिप में अध्ययन हेतु चयनित स्थानीय बच्चे के लिए छात्रवृत्ति।

(3) बस्ता, किताबे, स्टेशनरी आदि जैसी अध्ययन सामग्री की आपूर्ति।

2. स्वास्थ्य :

(1) स्वास्थ्य सर्वेक्षण करवाना, स्वास्थ्य चिंताओं की पहचान, जागरूकता अभियान, मुद्रित प्रचार सामग्री/फिल्में आदि।

(2) स्कूलों में बच्चों हेतु नियमित प्रतिरक्षण कार्यक्रम और चिकित्सा जांच का आयोजन करना।

(3) महिलाओं, बच्चों, निशक्त व्यक्तियों तथा वृद्धजनों पर विशेष फोकस के साथ परिवार नियोजन, आंख तथा हृदय आदि हेतु चिकित्सा जांच जैसे नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन।

3. परिधीय विकास :

(1) एनएचपीसी द्वारा किए जाने वाले आवश्यकता आकलन सर्वेक्षण के आधार पर स्थानीय प्रशासन की आवश्यकता तथा अपेक्षा के अनुसार क्षेत्र विद्युतीकरण, सामुदायिक केन्द्र, पंचायत घर, पानी के नालों, सड़कों आदि जैसी आधारभूत अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विस्तार करना।

(2) संबंधित सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदाय के साथ भागीदारी में सामुदायिक स्वास्थ्य/पेय जल/स्वच्छता/शैक्षणिक सुविधाओं के सृजन/उन्नयन को सुकर बनाना। ऐसे स्कूलों/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिकता दी जाती है जो प्रचालन

तो कर रहे है परंतु जिनमें भवन, उपकरण आदि जैसे सुविधाएं नहीं है। सामुदायिक आधारभूत ढांचे को मुहैया करवाने हेतु कार्यक्रम ऐसे अवसंरचनात्मक ढांचे के सृजन हेतु एकमुश्त पूंजी लागत को वहन करने के आधार पर है और इसे ऐसे लिखित आश्वासन के आधार पर दिया जाता है कि ऐसे आधारभूत ढांचे की प्रचालनात्मक तथा अनुरक्षण लागत को संबंधित हितबद्ध जैसे कि सरकारी विभाग/एजेंसी या पंचायत/स्थानीय प्राधिकारी अथवा समुदाय आधारित संगठनों/गैर–सरकारी संगठनों आदि द्वारा वहन किया जाएगा।

4. कौशल विकास–औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन

शिक्षा को विभिन्न स्तर पर ले जाने और विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों/व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा अन्य कार्यक्रमों में मूल्य वर्धन हेतु एनएचपीसी अपनी परियोजनाओं/विद्युत स्टेशनों के आस–पास लोगों, विशेष रूप से युवाओं तथा महिलाओं, की नियोजनप्रदता हेतु अपेक्षित होने वाले विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों में सुधार हेतु योगदान दे रही है। सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) व्यावसायिक प्रशिक्षण सुधार कार्यक्रम/उत्कृष्टता के केन्द्र योजना (सीओई) के माध्यम से 11 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को अपना कर (जम्मू एवं कश्मीर में 5, उत्तराखंड में 4 और अरूणाचल प्रदेश में 2) पहले ही पाठ्यक्रम मॉड्यूल, संकाय विकास, प्रशिक्षण और आधारभूत ढांचा विकास तथा विद्यमान भवनों एवं प्रयोगशालाओं में सुधार के रूप में सुविधाओं का सृजन किया जा चुका है।

एनएचपीसी परियोजना/विद्युत स्टेशन/टाउनशिप के निकटवर्ती क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में अध्ययन कर रहे अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा बालिका विद्यार्थियों की एक बड़ी संख्या को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए वर्ष 2011–12 के दौरान छात्रवृत्ति मुहैया करवाई गई है और इसे वर्ष 2012–13 के दौरान भी मुहैया करवाया जा रहा है ताकि उनके दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदला जा सके। एनएचपीसी प्राथमिक शिक्षकों को पुनः प्रशिक्षित करके प्राथमिक शिक्षा में सुधार में भी

यकीन रखती है ताकि एक दृढ़ आधारभूत शिक्षा उन्हें जीवन में आगे की प्रतिस्पर्धाओं तथा चुनौतियों का सामना विश्वास के साथ करने हेतु सुकर बना सके।

5. अन्य :

(1) उपकरण तथा अन्य सुविधाएं मुहैया करवा कर गांवों में ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना तथा वार्षिक खेल–कूद स्पर्धाओं का आयोजन। प्रत्येक स्टेशन बाध्यकारी रूप से वार्षिक ग्रामीण खेल–कूद स्पर्धाओं के आयोजन हेतु किसी विशिष्ट दिन/सप्ताह की पहचान करेगा।

(2) योग्य स्थानीय खिलाड़ियों के राष्ट्रीय खेल संस्थानों में प्रशिक्षण एवं विकास को प्रायोजित करना।

(3) पशुधन के लिए पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन करना।

(4) सामुदायिक वनरोपण तथा वनिकी कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।

(5) प्रचालन स्टेशनों में तथा उसके आस–पास बेरोजगार लोगों के स्व–रोजगार को सहकारिताओं/स्व–सहायता समूहों के माध्यम से सुकर बनाना।

(6) चुनिंदा आधार पर राष्ट्री स्मारको तथा सांस्कृतिक धरोहर स्थलों के संरक्षण की व्यवस्था करना।

(7) राष्ट्रीय आपदाओं के दौरान राहत तथा सहायता प्रदान करना।

(8) चुनिंदा आधार पर सभी धर्मों के स्थानीय महत्व वाले धार्मिक स्थलों के संरक्षण की व्यवस्था करना।

4. एनएचपीसी में धारणीय विकास

लोक उद्यम विभाग (डीपीई) ने वर्ष 2010–11 से **धारणीय विकास** को ''गैर–वित्तीय पैरामीटरों'' के अंतर्गत सभी सीपीएसई हेतु एक बाध्यकारी तत्व के रूप में शामिल किया है। इसे प्रशासनिक मंत्रालय तथा सीपीएसई के मध्य हस्ताक्षरित किए जाने वाले एमओयू में 5 प्रतिशत भारिता (5 अंक) दी गई है। इस दिशा–निर्देश को क्रियान्वित करने और धारणीय विकास की प्रक्रिया तथा इसके क्रियाकलापों के स्कोप में एकरूपता लाने हेतु,

डीपीई ने दिनांक 23 सितम्बर, 2011 के कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से एक धारणीय विकास (एसडी) संबंधी नीति दिशा–निर्देश जारी किए है। एमओयू प्रणाली के अंतर्गत कार्य–निष्पादन के मूल्यांकन के प्रयोजन हेतु इस नीति को वित्त वर्ष 2012–13 हेतु लागू किया गया है।

धारणीय विकास संबंधी डीपीई दिशा–निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक सीपीएसयू को डीपीई द्वारा विहित दिशा–निर्देशों के अनुरूप अपनी स्वयं की धारणीय विकास नीति निरूपित करनी होती है। धारणीय विकास पर डीपीई के दिशा–निर्देशों को क्रियान्वित करने के लिए एनएचपीसी ने धारणीय विकास संबंधी डीपीई दिशा–निर्देशों के मुख्य प्रावधानों तथा चिंताओं के अनुरूप अपनी स्वयं की धारणीय विकास नीति बनाई है।

वर्ष 2012–13 हेतु धारणीय विकास पर एमओयू लक्ष्यों, धारणीय विकास क्रियाकलापों की कार्यान्वयन स्थिति, एमओयू लक्ष्यों के प्रति उपलब्धियां आदि के ब्यौरे **वार्षिक रिपोर्ट के भाग–ख** में दिए गए हैं।

खंड–क

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

खंड–1 : वित्त वर्ष 2012–13 हेतु एमओयू लक्ष्य और उपलब्धियां

क्रम सं.	लक्षित कार्य	यूनिट	भार प्रतिशत	उत्कृष्टता हेतु लक्ष्य	प्राप्ति
क.	**कर पश्चात लाभ के प्रतिशत के रूप में सीएसआर पर व्यय**	%	**0.50%**	0.50%	**0.56%**
ख.	**शिक्षा**				
1	ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता कार्यक्रमों को सुकर बनाना, कोचिंग सेंटर स्थापित करना और स्थानीय समुदाय को प्रशिक्षण सहायता प्रदान करना	कार्यक्रमों की संख्या	**0.25%**	15	**26**
2	व्यवहार विकास पर विशेष बल के साथ प्राथमिक शिक्षकों हेतु प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करके प्राथमिक शिक्षा के स्तर का उन्नयन करना	कार्यक्रमों की संख्या	**0.25%**	10	**17**
3	ग्रामीण युवाओं/महिलाओं की नियोजनप्रदता में वृद्धि करने तथा उद्यमशीलता के विकास हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना	लाभग्राहियों की संख्या	**0.25%**	30	**74**
4	शिक्षा हेतु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना	विद्यार्थियों की संख्या	**0.25%**	100	**743**
5	शिक्षा हेतु बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान करना	विद्यार्थियों की संख्या	**0.25%**	50	**575**

ग.	**स्वास्थ्य**				
1	सुदूर स्थलों पर नई डिस्पेंसरियों की स्थापना/ विद्यमान के उन्नयन के माध्यम से समुदायों की समग्र स्वास्थ्य स्थितियों के सुधार में सहायता करना	स्थलों की संख्या	**0.25%**	10	**17**
2	एनएचपीसी के सुदूर स्थलों पर ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की देख–रेख हेतु मातृत्व केन्द्रों की स्थापना/उन्नयन	स्थलों की संख्या	**0.50%**	3	**8**
3	गांवों में नागरिकों हेतु स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन	कार्यक्रमों की संख्या	**0.25%**	15	**26**
4	बच्चों में कुपोषण तथा खराब स्वास्थ्य पर माता–पिता हेतु जागरूकता कार्यक्रम और कुपोषण से ग्रसित बच्चों हेतु विटामिन तथा गोलियों का निःशुल्क वितरण	कार्यक्रमों की संख्या	**0.25%**	15	**17**
घ.	**परिधीय विकास**				
1.	गांवों में आधारभूत ढांचा सुविधाओं में सुधार करने के लिए आधारभूत ढांचा एवं सामुदायिक विकास कार्यों को लेना	कार्यक्रमों की संख्या	**0.50%**	30	**62**

2	महिलाओं हेतु प्रावधान पर विशेष ध्यान के साथ सार्वजनिक शौचालयों की स्थापना के माध्यम से गांवों में स्वच्छता सुविधाओं का सुधार	स्थलों की संख्या	**0.25%**	15	**23**
3	फल, सब्जी आदि जैसे कृषि–उत्पादों को रखने तथा सुरक्षित करने हेतु कोल्ड स्टोरेज की स्थापना हेतु सरकारी/पीएसयू पहलों के साथ कार्रवाई प्रारंभ करना/संघ बनाना	कार्यक्रमों की संख्या	**0.25%**	2	**2**

ङ.	अन्य कार्यक्रम/क्रियाकलाप				
1	कृषि उत्पादकता आदि में सुधार करने के लिए किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण सहायता प्रदान करना	कार्यक्रमों की संख्या	0.25%	6	**8**
2	स्थानीय महोत्सवों आदि को प्रायोजित करके ग्रामीण खेलों/स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना	कार्यक्रमों की संख्या	0.25%	20	**41**
3	कृषि वैज्ञानिकों के साथ मिल कर आर्गेनिक कृषि में किसानों हेतु जागरूकता तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करना	स्थलों की संख्या	0.25%	1	**4**
4	कृषि उत्पादों के विपणन/खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों हेतु राज्य सरकार/अन्य स्थानीय निकायों से संबद्ध होना/उनकी सहायता करना	कार्यक्रमों की संख्या	0.25%	4	**6**
	कुल		**5.00%**		

खंड–2 : वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान सीएसआर क्रियाकलापों में आवंटित बजट की तुलना में प्रयुक्त बजट

(लाख रूपए में

क्रम सं.	क्षेत्र	विद्युत स्टेशन/ परियोजनाएं	पिछले वर्ष के गैर–व्यपगत बजट सहित उपलब्ध कुल बजट	प्रयुक्त बजट
1	**जम्मू**	क्षेत्रीय कार्यालय	84.37	35.86
		सलाल	80.10	44.15
		सेवा–2	58.79	51.25
		दुलहस्ती	61.74	24.03
		ऊरी	68.10	26.06
		ऊरी–2	36.10	9.99
		किशनगंगा	32.60	19.31
		चूटक	26.60	19.47
		निम्मो–बाजगो	45.33	42.64
	उप जोड़ (1)		**493.75**	**272.76**
2	**बनीखेत**	क्षेत्रीय कार्यालय	92.51	87.23
		बैरास्यूल	42.10	13.46
		चमेरा–1	70.10	42.09
		चमेरा–2	40.05	38.92
		चमेरा–3	29.55	13.09
	उप जोड़ (2)		**274.31**	**194.79**
3	**कोलकाता**	क्षेत्रीय कार्यालय	10.00	0.00
		लोकतक	82.94	79.48
	उप जोड़ (3)		**92.94**	**79.48**

4	**चण्डीगढ**	क्षेत्रीय कार्यालय	43.60	0.00
		पार्बती–2	59.45	41.28
		पार्बती–3	50.48	24.99
	उप जोड़ (4)		**153.53**	**66.27**
5	**देहरादून/ उत्तराखंड**	क्षेत्रीय कार्यालय	5.91	0.00
		कोटली भेल	72.75	34.33
		धौलीगंगा	41.05	25.94
		टनकपुर	52.00	23.03
	उप जोड़ (5)		**171.71**	**83.30**
6	**सिलीगुडी**	क्षेत्रीय कार्यालय	32.08	31.82
		रंगित	40.00	35.89
		तीस्ता–5	58.42	58.42
		टीएलडीपी–3	93.10	85.59
		टीएलडीपी–4	74.52	55.99
		तीस्ता–4	85.07	52.41
	उप जोड़ (6)		**383.19**	**320.12**
7	**सुबानसीरी**		791.42	229.59
	उप जोड़ (7)		**791.42**	**229.59**
8	**ईटानगर**	क्षेत्रीय कार्यालय	66.96	35.03
		छीबांग	54.53	52.20
		तवांग–1	76.90	20.04
		तवांग–2		
	उप जोड़ (8)		**198.39**	**107.27**

9	बीआरपीपी / बीआरईडब्ल्यू पटना		18.20	12.63
10	अंडमान और निकाबार		7.00	*0.00
	कुल (1 से 10)		**2584.44**	**1366.21**
11	आईटीआई को अपनाना		90.00	206.95
12	निगमित कार्यालय		1249.00	
	सकल जोड़		**3923.44**	**1573.16**

* निगमित कार्यालय के व्यय के अंतर्गत बुक किया गया व्यय।

खंड– III

वित्त वर्ष 2012–13 में लिए गए क्षेत्र–वार सीएसआर क्रियाकलाप

वित्त वर्ष 2012–13 में क्षेत्र–वार लिए गए सीएसआर क्रियाकलाप

क्षेत्र – जम्मू

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	**शिक्षा**		
1		अनु.जा./अनु.ज.जा./छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	484
2		कटिंग, टेलरिंग, बुनाई, ब्यूटीशियन, मोबाइल रिपेयरिंग आदि संबंधी कौशल विकास/व्यावसायिक प्रशिक्षण	561
3		व्यवहार विकास संबंधी प्रशिक्षण	139
4		फर्नीचर तथा स्टेशनरी और खेल के सामान का वितरण	-
5		निम्मो बाजगो में विद्यार्थियों को सर्दी में ट्यूशन	40
6		वर्दी का वितरण, विज्ञान मेले का आयोजन	401
7		स्कूली बच्चों हेतु परिवहन की व्यवस्था	63
II	**स्वास्थ्य**		
1		नेत्र जांच शिविर	424
2		चिकित्सा शिविर और दवाओं का वितरण	2084
3		टीकाकरण शिविर	400
4		पेय जल आपूर्ति प्रणाली का विस्तार और हैंडपंप लगाना	-
5		प्रसूति केन्द्र का उन्नयन	4824
6		स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	65

7		कुपोषण पर जागरूकता कार्यक्रम	356
8		स्थानीय लोगों को परियोजना की चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार	5126
III	**परिधीय विकास**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणी**
1		सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	6 स्थलों पर
2		समुदायिक हॉल का विस्तार/नवीकरण	2
3		लिंक सड़क का निर्माण	सार्वजनिक उपयोग हेतु
4		सरकारी प्राथमिक विद्यालय, गेटी में चेन लिंक फेन्सिंग मुहैया करवाना	1 स्कूल
5		अस्पताल वार्ड का निर्माण	सार्वजनिक उपयोग हेतु
6		कक्षाओं का निर्माण	स्कूली बच्चों हेतु
7		सरकारी स्कूलें/मदरसों में आधारभूत ढांचा विकास	2 स्थल
IV	**अन्य**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणी**
1		ग्रामीण खेलों तथा संस्कृति का संवर्धन	स्थानीय जनता हेतु
2		पेय जल के भंडारण हेतु सुविधा	3 स्थल
3		पशु चिकित्सा शिविर का स्थापन	1
4		पथ, वर्षा आश्रयों का निर्माण	सार्वजनिक उपयोग हेतु
5		जल फिल्टरों का वितरण	70
6		ग्रीन वे स्मार्ट स्टोव का वितरण	140
7		प्री–कास्ट बेंचों तथा झोपड़ियों को लगाना	20 बेंच तथा 2 झोपड़ियां
8		सौर लाइटों का संस्थापन	10

क्षेत्र : बनीखेत

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	शिक्षा		
1		अनु.जा./अनु.ज.जा./छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	94
2		कटिंग, टेलरिंग आदि संबंधी कौशल विकास/व्यावसायिक प्रशिक्षण	127
3		शिक्षकों को व्यवहार विकास संबंधी प्रशिक्षण	65
4		कोचिंग सेंटर स्थापित करना	307
5		ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता कार्यक्रम सुकर बनाने के लिए प्रशिक्षण सहायता	121
6		सरकारी स्कूलों को वाटर कूलर मुहैया करवाना	.
II	स्वास्थ्य		
1		चिकित्सा शिविर और दवाओं का वितरण	5 शिविर
2		डिस्पेंसरियों तथा प्रसूति केन्द्रों को उपकरण मुहैया करवाना	3 स्थल
3		स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	3 कार्यक्रम
4		पशु चिकित्सा शिविरों हेतु दवाओं की खरीद	1 स्थल
5		कुपोषण पर जागरूकता कार्यक्रम	2 कार्यक्रम
III	परिधीय विकास	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
1		सार्वजनिक शौचालयों/स्नानघर का निर्माण	4 स्थल

2		दाह संस्कार गृह, चाहरदीवारी, शेड का निर्माण	1 स्थल
3		सीवरेज व्यवस्था मुहैया करवाना	1 यूनिट
4		क्रेट कार्य, फुटपाथ का निर्माण, सड़क तथा पथमार्ग	2 स्थल, सार्वजनिक उपयोग
5		वर्षा शेल्टरों का निर्माण	2 स्थल
6		कक्षाओं और गुर्जर आश्रम हेतु कक्षों का निर्माण	3 यूनिट
7		सामुदायिक केन्द्रों का निर्माण	3
8		ड्रिलिंग का बोरवैल	1 स्थल
IV	**अन्य**	**क्रियाकलाप**	**लाभग्राहियों की संख्या**
1		ग्रामीण खेलकूद, कला और संस्कृति का संवर्धन	स्थानीय जनता हेतु
2		कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण	3 कार्यक्रम
3		भोजन उत्पादन यूनिट हेतु उपकरण मुहैया करवाना	1 स्थल
4		पर्यावरण का बचाव तथा संरक्षण	26 क्रियाकलाप
5		गरीब परिवारों को कंबल का वितरण	4 कार्यक्रम
6		प्राकृतिक आपदा के पश्चात स्थानीय परिवारों को सहायता	2 परिवार
7		कृषि उत्पादों के विपणन हेतु राज्य सरकार को सहायता	1 स्थल

क्षेत्र : कोलकाता

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	**शिक्षा**		
1		कढ़ाई, टेलरिंग तथा चमड़ा सिलाई कार्यों संबंधी व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 कार्यक्रम
2		भोजन एवं सब्जी प्रसंस्करण, ईठाई पर कौशल विकास प्रशिक्षण	1 कार्यक्रम
3		व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु संकाय प्रभार	–
4		सिलाई, कढ़ाई तथा चमड़ा सिलने वाली मशीनें मुहैया करवाना	1 कार्यक्रम
II	**स्वास्थ्य**		
1		नेत्र शिविर	604
2		मोतियाबिंद ऑपरेशन	205
3		स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम	1 कार्यक्रम
4		चश्में मुहैया करवाना	36
5		चिकित्सा शिविर	1155
6		प्रतिरक्षण / टीकाकरण	1000
7		ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन	1 स्थल
III	**परिधीय विकास**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		नाले और पुलिया का निर्माण	2 यूनिट
2		कक्षाओं का निर्माण	2 यूनिट

3		प्रतीक्षा शेड, स्नानागार तथा पानी की टंकी का निर्माण	1 सवबंजपवद
4		प्रतिधारण दीवार और नाले का निर्माण	2 सवबंजपवदे
5		क्लब भवन का निर्माण	1नदपज
6		सामुदायिक हॉल का पुनरूद्धार	1 नदपज
IV	**अन्य**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		अमोफा, मोइरंग हेतु लोकतक ट्राफी का आयोजन	स्थानीय जनता हेतु
2		अंतर ग्रामीण खेलकूद टूर्नामेंट का आयोजन	स्थानीय जनता हेतु
3		युवा क्लब को वित्तीय सहायता	स्थानीय जनता हेतु
4		मणिपुर माउंटनियरिंग एंड ट्रैकिंग एसोसिएशन को वित्तीय सहायता	स्थानीय जनता हेतु
5		निशक्त व्यक्तियों हेतु कंबलों का वितरण	–

क्षेत्र : चण्डीगढ़

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	**शिक्षा**		
1		अनु.जा./अनु.ज.जा./छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	35
2		मशीनरी, प्रचालनात्मक ज्ञान तथा विपणन संबंधी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम	66
3		प्राथमिक शिक्षकों को व्यवहार विकास संबंधी प्रशिक्षण	50
4		सरकारी स्कूलों को कम्प्यूटर तथा सहायक उपकरण	1 स्कूल

II	स्वास्थ्य		
1		पीएचसी/प्रसूति केन्द्रों का उन्नयन, ओपीडी तथा प्रसव कक्ष का निर्माण	2 स्थल
2		स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन	26
3		चिकित्सा शिविर	762
III	परिधीय विकास	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
1		सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	3 स्थल
2		पाइपलाइन बिछाना और पानी की टंकी का निर्माण	1 स्थल
3		मेला मैदान का विकास	1 स्थल
4		स्कूल के आधारभूत ढांचे, खेल के मैदान को सुदृढ़ करना	1 स्कूल
5		पुस्तकालय हॉल हेतु फर्नीचर	1 स्कूल
6		सामुदायिक केन्द्र का निर्माण	1 यूनिट
7		वर्षा शेल्टरों का निर्माण	1 यूनिट
8		दशहरा मैदान में कूड़ेदानों को लगवाना	1 स्थल
IV	अन्य	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
1		ग्रामीण खेलकूद तथा संस्कृति को बढ़ावा देना	स्थानीय जनता हेतु
2		कृषि उत्पादकता में वृद्धि हेतु किसानों को प्रशिक्षण सहायता	1 प्रशिक्षण कार्यक्रम
3		ससपेंशन फुटब्रिज की मरम्मत	1 स्थल
4		अग्नि पीड़ितों हेतु उपकरण	2 स्थल
5		सौर स्ट्रीट लाइन प्रणाली	16
6		फलों के पौधों का वितरण	1 कार्यक्रम

7		गरीब परिवारों को घरेलू वस्तुओं का वितरण	1 कार्यक्रम
8		मेला मैदान में आधारभूत ढांचा विकास	1 स्थल

क्षेत्र : उत्तराखंड

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	शिक्षा		
1		अनु.जा./अनु.ज.जा./छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	31
2		टेलरिंग तथा सिलाई, बुनाई में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	533
3		प्राथमिक शिक्षकों को व्यवहार विकास संबंधी प्रशिक्षण	38
4		कोचिंग केन्द्रों की स्थापना और ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता कार्यक्रम का सुग्राहीकरण	120
5		सरकारी स्कूल तथा पंचायत भवन को कम्प्यूटर तथा सहायक उपकरणों का वितरण	325
6		बच्चों के मैदान हेतु बेंच विकास और कक्षाओं का निर्माण	50
II	स्वास्थ्य		
1		प्रसूति केन्द्रों का उन्नयन और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना	1350
2		स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम	1587
3		चिकित्सा शिविर	1000

4		गरीब निशक्त व्यक्तियों को कृत्रिम अंगों का वितरण	3
5		प्रसूति केन्द्र को बिस्तरे, इन्वर्टर, वाटर कूलर आदि का वितरण	5000
6		पल्स पोलियो कार्यक्रम	400
III	**परिधीय विकास**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		जलापूर्ति प्रणाली का निर्माण	6 स्थल
2		सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	1 स्थल
3		पथमार्गों, आरआर दीवार तथा रेलिंग कार्यों में सुधार	2 स्थल
4		सौर लाइटों का संस्थापन	14
5		ग्राम आधारभूत ढांचे का सुधार	1 स्थल
IV	**अन्य**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		ग्रामीण खेलकूद तथा संस्कृति को बढ़ावा देना	स्थानीय जनता हेतु
2		कृषि उत्पादकता में वृद्धि हेतु किसानों को प्रशिक्षण सहायता	1 प्रशिक्षण कार्यक्रम
3		प्रशासन को आपदा प्रबंधन सहायता	2 परियोजनाएं
4		राज्य सरकारों को कृषि उत्पादों के विपणन/खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों हेतु सहायता	1 कार्यक्रम
5		गंगा आरती की व्यवस्था तथा संस्कृति का संवर्धन	1 स्थल
6		गरीबों को साइकिल	1 स्थल

क्षेत्र : सिलीगुड़ी

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	शिक्षा		
1		अनु.जा./अनु.ज.जा./छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	91
2		इलेक्ट्रिकल घरेलू उपकरणों, कढ़ाई, टेलरिंग, सॉफ्ट खिलौनों, सिलाई आदि में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	161
3		प्राथमिक शिक्षकों को व्यवहार विकास संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम	34
4		अवंचित परिवारों के विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति	8
5		कोचिंग तथा प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना	135
6		आधारभूत कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम	57
7		प्राथमिक विद्यालयों हेतु अस्थाई शेड का निर्माण	54
8		डीपीई की क्षेत्रीय कार्यशाला	1 कार्यशाला
9		कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 कार्यक्रम
10		सरकारी स्कूलों में खेल के मैदान का निर्माण	664
11		सरकारी स्कूलों को फर्नीचर, कम्प्यूटर, प्रिंटर, पुस्तकों, स्टेशनरी तथा प्रयोगशाला उपकरण मुहैया करवाना	1330
12		छात्रों के मध्य कम्प्यूटर साक्षरता को बढ़ावा देना	-
II	स्वास्थ्य		
1		पीएचसी, डिस्पेन्सरी, प्रसूति केन्द्रों का उन्नयन	4 स्थल
2		स्वास्थ्य शिक्षा/जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन	263
3		कुपोषण पर जागरूकता कार्यक्रम	929
4		जिला अस्पताल में नवजात शिशु देखरेख प्रणाली	1 स्थल

5		चिकित्सा शिविर, नेत्र जांच शिविर, प्लास्टिक सर्जरी शिविर	641
6		प्रतिरक्षण कार्यक्रम	2 कार्यक्रम
7		कैंसर रोगियों हेतु चिकित्सा उपचार सपोर्ट	2
8		गरीबों को कंबलों का वितरण	1 स्थल
9		गुर्दे के ऑपरेशन हेतु गरीबों को चिकित्सा सहायता	1
III	**परिधीय विकास**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		नाले, फुटपाथ, टो वॉल का निर्माण	2 स्थल
2		शौचालयों का निर्माण	5 यूनिट
3		धर्मशाला का निर्माण	1
4		स्कूल के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना	2 स्थल
5		संग्राहलय का निर्माण	1
6		सामुदायिक केन्द्र का निर्माण/नवीकरण	5 स्थल
7		महिला एसएचजी को आधारभूत ढांचा सपोर्ट मुहैया करवाना	1 स्थल
8		फुटबॉल मैदान का निर्माण	1 स्थल
IV	**अन्य**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		कृषि उत्पादकता में सुधार, आर्गेनिक फार्मिंग, एकीकृत खेती प्रणाली हेतु किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	4 कार्यक्रम
2		ग्रामीण खेलकूद तथा संस्कृति को बढ़ावा देना	स्थानीय जनता हेतु
3		युवाओं के मध्य एड्स जागरूकता उत्पन्न करना	1 कार्यक्रम
4		राज्य सरकारों को कृषि उत्पादों के विपणन/खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों हेतु सहायता	1 स्थल

क्षेत्र : सुबानसीरी बेसिन

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	शिक्षा		
1		अनु.जा. / अनु.ज.जा. / छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	532
2		उद्यमशीलता विकास हेतु कौशल मैपिंग सत्र	115
3		शिक्षकों का व्यवहार विकास संबंधी प्रशिक्षण	70
4		साक्षरता कार्यक्रम	10
II	स्वास्थ्य		
1		स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम	112
2		कुपोषण पर जागरूकता कार्यक्रम	135
3		पीएचसी का उन्नयन	1 यूनिट
III	परिधीय विकास	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
1		जलापूर्ति को सुकर बनाने हेतु रिंग कुंए और पहुंच सड़क का निर्माण	1 स्थल
2		प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा भवन और शौचालय का निर्माण	1 स्कूल
IV	अन्य	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
1		फुटबाल टूर्नामेंट को प्रायोजित करना	स्थानीय जनता हेतु

क्षेत्र : ईटानगर

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	शिक्षा		
1		अनु.जा./अनु.ज.जा./छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	86
2		परम्परागत चित्रकला तथा लकड़ी पर काश्तकारी में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	1 प्रशिक्षण कार्यक्रम
3		स्कूलों को फर्नीचर तथा विविध मदें उपलब्ध करवाना	2 स्थल
4		स्कूल के आधारभूत ढांचे का विकास	2 स्थल
5		शिक्षकों का व्यवहार विकास संबंधी प्रशिक्षण	120 शिक्षक
II	स्वास्थ्य		
1		स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम	2 कार्यक्रम
2		जिला अस्पताल को हैपेटाइटिस बी तथा सी किटों का वितरण	1 स्थल
3		एंबुलेंस, पशु चिकित्सा दवाओं, डेंटल चेअर, मूत्र विश्लेषक का योगदान	1 स्थल पर 3 एंबुलेंस
III	परिधीय विकास	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
1		गांवों में फुट स्टेप तथा पोर्टर ट्रैक का निर्माण	2 स्थल
2		सामुदायिक केन्द्रों का निर्माण	1 यूनिट
3		पानी की टंकी का निर्माण	1 यूनिट
4		भूमि विकास तथा बचाव कार्य	1 गांव

5		जिला प्रशासन को सीमेंट के बोरों का योगदान	410 बोरे
IV	अन्य	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		कला एवं संस्कृति का संवर्धन, महामहिम 6ठें दलाई लामा के पदचिन्हों पर पुण्य स्थान का निर्माण	1 स्थल
2		ग्रामीण खेलकूद तथा त्योहारों को बढ़ावा देना	स्थानीय जनता हेतु
3		डीजी सेट की आपूर्ति	1 यूनिट
4		आश्रय कक्ष का पुनरूद्धार	1 यूनिट
5		परियोजना प्रभावित परिवारों को फलों के पौधों का वितरण	1000

बीआरआरपी / बीआरईडब्ल्यू पटना

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	**शिक्षा**		
1		शैक्षणिक संस्थानों को सिलाई मशीने, कम्प्यूटर तथा स्कूल फर्नीचर मुहैया करवाना	2 जिले

क्षेत्र : अंडमान एवं निकोबार

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	**शिक्षा**		
1		अनु.जा./अनु.ज.जा./छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण	20
2		सिलाई और कढ़ाई में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
3		साक्षरता कार्यक्रम को सुकर बनाने के लिए प्रशिक्षण सहायता	15

II	स्वास्थ्य		
2		कुपोषण पर जागरूकता कार्यक्रम	82
3		चिकित्सा शिविर	152
III	परिधीय विकास	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
1		प्रतीक्षा शेड का निर्माण	1 स्थल

निगमित कार्यालय

क्रम सं.	शीर्ष	क्रियाकलाप	लाभग्राहियों की संख्या
I	शिक्षा		
1		राष्टीय विकलांग वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से निशक्त प्रशिक्षणार्थियों को टूलकिट के साथ सिलाई मशीन मुहैया करवाना	1 स्थल
2		प्रशिक्षण संस्थान, गुड़गांव के निर्माण हेतु सीबीआईपी को वित्तीय सहायता	1 कार्यक्रम
3		इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के माध्यम से आधाररेखा सर्वेक्षण का आयोजन	1 सर्वेक्षण
4		प्राथमिक शिक्षा के स्तर के उन्नयन हेतु परियोजना प्रस्ताव प्राप्त करना	1 क्रियाकलाप
II	स्वास्थ्य	क्रियाकलाप	टिप्पणियां
1		आदित्य ज्योत फाउन्डेशन, मुंबई के माध्यम से मुंबई में गरीब रोगियों की सहायता	63

III	**परिधीय विकास**	**क्रियाकलाप**	**टिप्पणियां**
1		जनहित फाउंडेशन, नोएडा के माध्यम से स्लम क्षेत्रों में आजीविका सुधार कार्यक्रम	1 स्थल
2		शिर्डी साई बाबा मंदिर समिति के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट रेंज, फरीदाबाद का विकास	1 स्थल

व्यावसायिक / कौशल विकास प्रशिक्षण			
क्षेत्र	**परियोजना**	**प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या**	**लाभग्राहियों की संख्या**
जम्मू	क्षेत्रीय कार्यालय	-	-
	सलाल	9	413
	ऊरी	1	35
	चूटक	1	8
	दुलहस्ती	1	25
	सेवा–2	2	20
	ऊरी–2	-	-
	किशनगंगा	-	-
	निम्मो–बाजगो	1	60
बनीखेत	बैरास्यूल	1	25
	चमेरा–1	1	22
	चमेरा–2	1	20
	चमेरा–3	1	60
कोलकाता	लोकतक	3	-
चण्डीगढ़	पार्बती–2	3	66
	पार्बती–3	-	-
उत्तराखंड	धौलीगंगा	3	364
	टनकपुर	3	169
	कोटलीभेल	-	-
सिलीगुड़ी	रंगित	2	36
	तीस्ता–5	3	25
	टीएलडीपी–3	1	50
	टीएलडीपी–4	1	50
	तीस्ता–4	-	-
सुबानसीरी बेसिन	सुबानसीरी लोअर	1	115
इटानगर	तवांग–1	-	-
	तवांग–2	-	-
	दिबांग	-	-
अंडमान एवं निकोबार	–	1	10
	सकल जोड़	**40**	**1573**

प्रतिभावन छात्रों को छात्रवृत्ति

क्षेत्र	परियोजना	अनु. जा.	अनु. ज.जा.	अ.पि.व	छात्राएं
जम्मू	क्षेत्रीय कार्यालय	90	64	17	67
	सलाल	3	2		5
	ऊरी	-	31		31
	चूटक		9		27
	दुलहस्ती	7	4		11
	सेवा–2	9	16		22
	ऊरी–2	-	-		-
	किशनगंगा	1	48		15
	निम्मो–बाजगो	1	4		-
बनीखेत	बैरास्यूल	8			11
	चमेरा–1	29			31
	चमेरा–2	5	5		5
	चमेरा–3	-	-		-
कोलकाता	लोकतक	-	-		-
चण्डीगढ़	पार्बती–2	16			19
	पार्बती–3	-	-		-
उत्तराखंड	धौलीगंगा	3	2		20
	टनकपुर	1			5
	कोटलीभेल	-	-		-
सिलीगुड़ी	रंगित	4	3	3	10
	तीस्ता–5	1	4		5
	टीएलडीपी–3	3	10		11
	टीएलडीपी–4	5	17		15
	तीस्ता–4	-	-		-
सुबानसीरी बेसिन	सुबानसीरी लोअर	25	246		261
इटानगर	तवांग–1	51			
	तवांग–2	-	-		-
	दिबांग	35			-
अंडमान एवं निकोबार	–	-	10		10
	कुल		792		581

कला एवं संस्कृति का संवर्धन : सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोन, किश्तवार, दुलहस्ती विद्युत स्टेशन, जम्मू एवं कश्मीर

ऊरी विद्युत स्टेशन, जम्मू एवं कश्मीर में निशुल्क नेत्र जांच शिविर

सरकारी स्कूल, चमेरा–1 विद्युत स्टेशन, हिमाचल प्रदेश को खेल–कूद की सामग्री का वितरण

चमेरा–1 विद्युत स्टेशन, हिमाचल प्रदेश में भलेई मंदिर पर वर्षा आश्रय का निर्माण

लोकतक विद्युत स्टेशन, मणिपुर में नाले का निर्माण

स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना : महोत्सव प्रायोजित करना, पार्बती–।।, जल विद्युत परियोजना, हिमाचल प्रदेश

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोटली भेल जल विद्युत परियोजना, उत्तराखंड को चिकित्सा उपकरण मुहैया करवाना

टनकपुर विद्युत स्टेशन, उत्तराखंड में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रमाण–पत्रों का वितरण

सिलाई मशीनों का वितरण, फरीदाबाद

चमेरा–।। विद्युत स्टेशन, हिमाचल प्रदेश में सीएसआर एवं एसडी प्रभाग, निगमित कार्यालय द्वारा आयोजित सीएसआर कार्यशाला

खंड–4

कौशल विकास–औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) का उन्नयन

1. आईटीआई–लेह

आईटीआई–लेह जम्मू एवं कश्मीर के लेह जिले में और एनएचपीसी की निम्मो बाजगो जल विद्युत परियोजना के समीप स्थित है। यह 11500 फुट की ऊंचाई पर लेह एअरपोर्ट के सामने अवस्थित है। इसे वर्ष 1981 में स्थापित किया गया था। इस आईटीआई को एनएचपीसी द्वारा सितम्बर, 2009 माह में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) योजना के अंतर्गत अपनाया गया था। अपनाए जाने के बाद, संस्थान के आधारभूत ढांचे में बड़ा सुधार हुआ है। कुछ नए ट्रेड को भी प्रारंभ किया गया तथा नई कार्यशालाओं का भी निर्माण किया गया था। परिवर्तन निम्नलिखित तालिका से देखे जा सकते हैं :–

	अपनाए जाने से पूर्व	अपनाए जाने के पश्चात
कक्षा	07	07+03 नव निर्मित
ट्रेड	06	06+03 नए ट्रेड प्रारंभ किए गए और 2 विद्यमान विधाओं का उन्नयन
कार्यशाला	04	04+03 पीपीपी के अंतर्गत नव निर्मित
अनुदेशक	06	06+03 (संविदात्मक आधार पर)
प्रयोगशाला सहायक		02 एनएचपीसी द्वारा संविदात्मक आधार पर नियोजित
प्रयोगिक प्रयोगशाला	03	03+01 प्रस्तावित

वित्त वर्ष 2012–13 में, आईटीआई में विकासात्मक क्रियाकलापों को करने के लिए 10 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी, जिसके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :–

- **एनएचपीसी अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण**

  428 श्रम दिवस का प्रशिक्षण न केवल प्रशिक्षणार्थियों को बल्कि अनुदेशकों को भी उनके ज्ञान के उन्नयन तथा अद्यतन करने के लिए प्रदान किया गया था। प्रशिक्षण के प्रति 1,00,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रतिभावान प्रशिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए 2,70,000/–रूपए की राशि उन्हें छात्रवृत्ति देने पर व्यय की गई थी। सभी 9 ट्रेड में 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड की दर से छात्रवृत्ति दी जाती है।

- **कार्यशाला हेतु 6,00,000/–रूपए के औजार/उपकरण मुहैया करवा गए**

  पुराने कार्य न कर रहे उपकरणों को नवीनतम आधुनिक उपकरणों से प्रतिस्थापित किया गया था। कम्प्यूटर पुस्तकालय के उन्नयन हेतु सॉफ्टवेयरों की खरीद की गई थी।

2. आईटीआई–कारगिल

आईटीआई – कारगिल को वर्ष 1984–85 में स्थापित किया गया था। यह संस्थान मुख्य शहर से लगभग 3 किलोमीअर दूर कारगिल की अधिसूचित सीमा में बाग–ए–खोमानी पर समुद्र तल से 8500 फुट की ऊंचाई पर एक पठार के किनारे में अवस्थित है। एनएचपीसी ने आईटीआई–कारगिल को मार्च, 2010 में अपनाया था। आईटीआई कारगिल में 112 की छात्र क्षमता के साथ 7 ट्रेड है।

वर्ष 2012–13 में, एनएचपीसी द्वारा विकासात्मक क्रियाकलापों को करने के लिए 7 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी, जिसके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :–

- **अनुदेशक विकास**

  राज्य सरकार और एनएचपीसी से विशेषज्ञों के माध्यम से अनुदेशकों के ज्ञान के उन्नयन/अद्यतन करने हेतु उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने में 50,000/–रूपए की राशि का व्यय किया गया था।

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रशिक्षणार्थियों के प्रेरणा स्तर में सुधार करने और संस्थान के बेहतर परिणामों हेतु अनुशासन, निष्पादन तथा समग्र परिवेश में सुधार हेतु प्रशिक्षणार्थियों को मेरिट छात्रवृत्ति दी जाती है।

प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 1,57,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **कार्यशाला औजार/उपकरण**

  कार्यशालाओं के अप्रचलन में होने वाले उपकरणों को आधुनिक उपकरणों से प्रतिस्थापित किया गया है और इस पर 3,50,000/–रूपए का व्यय किया गया।

- **श्रव्य–दृश्य इमदान तथा पुस्तकें**

  ट्रेडों के वॉल चार्ट, एजुकेशनल सीडी, कम्प्यूटर आधारित प्रशिक्षण पैकेज, जो उपलब्ध नहीं थे, उनकी खरीद पर 43,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। कुछ ट्रेड हेतु पुस्तकों की भी अधिप्राप्ति की गई थी।

- **फर्नीचर**

  कक्षाओं तथा साथ ही साथ कार्यालय हेतु भी 1,00,000/–रूपए मूल्य के फर्नीचर की खरीद की गई थी।

3. आईटीआई–रियासी

आईटीआई – रियासी जम्मू एवं कश्मीर के रियासी जिले में स्थित है। इसे वर्ष 1985 में तीन ट्रेडों के साथ स्थापित किया गया था। वर्ष 1990 में दो और ट्रेड प्रारंभ किए गए थे। एनएचपीसी ने आईटीआई–रियासी को मार्च, 2009 में अपनाया था। अपनाए जाने के पश्चात ट्रेडों की संख्या बढ़ाकर 10 कर दी गई है और वर्तमान में इसकी छात्र क्षमता 209 है। वित्त वर्ष 2012–13 में, निम्नलिखित क्षेत्रों में विकासात्मक क्रियाकलापों को करने के लिए 5 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी :–

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रशिक्षणार्थियों के प्रेरणा स्तर में सुधार करने और संस्थान के बेहतर परिणामों हेतु अनुशासन, निष्पादन तथा समग्र परिवेश में सुधार हेतु प्रशिक्षणार्थियों को मेरिट छात्रवृत्ति दी जाती है। प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 2,96,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **सिविल कार्य**

  आईटीआई में सिविल अनुरक्षण कार्य करने के लिए 44,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **इलेक्ट्रिकल कार्य/खरीद**

  सीओपीए ट्रेड आदि हेतु 60,000/–रूपए की इलेक्ट्रिकल मदों की खरीद की गई थी।

- **पेयजल सुविधाएं**

  आईटीआई हेतु पेय जल सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए 1,00,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

4. आईटीआई–रामबन

आईटीआई – रामबन (आईटीआई) को वर्ष 1979 में जम्मू एवं कश्मीर के रामबन जिले में कोबाग में रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीई एंड टी), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के समग्र संरक्षण में स्थापित किया गया था।

यह संस्थान 5 ट्रेड अर्थात **इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, कटिंग एंड टेलरिंग, बढ़ईगीरी तथा आशुलिपि** के साथ प्रारंभ किया गया था। एनएचपीसी ने आईटीआई – रामबन को मार्च 2010 में अपनाया और वर्तमान में इसमें 7 ट्रेड है तथा आईटीआई की छात्र क्षमता 132 है।

वर्ष 2012–13 में, एनएचपीसी द्वारा इस आईटीआई में विकासात्मक क्रियाकलापों को करने के लिए 8 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी, जिसके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :–

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 2,10,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। प्रशिक्षणार्थियों को दी जाने वाले मेरिट छात्रवृत्ति की दर 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड यूनिट प्रति वर्ष है।

- **सिविल कार्य**

  आईटीआई में सिविल अनुरक्षण कार्य करने के लिए 5,32,000/–रूपए की राशि आवंटित की गई थी।

- **कार्यशाला औजार/उपकरण**

  कार्यशालाओं हेतु ड्रिल मशीन तथा ग्राइंडर की खरीद हेतु 18,400/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **पुस्तके, दीवारों के चार्ट तथा पुस्तकालय वस्तुए**

  पुस्तके, दीवारों के चार्ट तथा अन्य वस्तुए मुहैया करवा कर पुस्तकालय के उन्नयन में 10,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **विविध**

  अधीक्षक के कार्यालय हेतु 30,000/–रूपए मूल्य का वैक्यूम क्लीनर तथा एक सेंटर टेबल मुहैया करवाया गया था।

5. आईटीआई–ऊरी

आईटीआई ऊरी लगामा, जिला बारामूला, जम्मू एवं कश्मीर में स्थित है। इसे वर्ष 1982 में स्थापित किया गया था। एनएचपीसी ने आईटीआई को मार्च, 2010 में अपनाया था। वर्ष 2012–13 में, निम्नलिखित क्षेत्रों में विकासात्मक क्रियाकलापों को करने के लिए 10.00 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी :–

- **अनुदेशक तथा प्रशिक्षणार्थी विकास**

  58 श्रम दिवस का प्रशिक्षण संस्थान के अनुदेशकों तथा साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को भी प्रदान किया गया था। प्रशिक्षण प्रदान करने में 30,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 2,20,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। प्रशिक्षणार्थियों को दी जाने वाले मेरिट छात्रवृति की दर 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड यूनिट प्रति वर्ष है।

- **सिविल कार्य तथा विविध व्यय**

  शौचालय और आईटीआई के मुख्य द्वार से भवन तक पथमार्ग के निर्माण में 4,50,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **3,00,000/–रूपए मूल्य के कार्यशाला औजारों/उपकरणों की खरीद**

  विभिन्न ट्रेड हेतु नए औजार तथा उपकरण और पुस्तकालय तथा कक्षा हेतु फर्नीचर की खरीद जिसका कुल वित्तीय प्रभाव 3,00,000/–रूपए का था।

6. आईटीआई–तबारीजो

आईटीआई तबारीजों अपर सुबानसीरी जिला, अरूणाचल प्रदेश में स्थित है। एनएचपीसी ने इस आईटीआई को मार्च, 2008 में अपनाया था। इसमें 4 ट्रेड है और वर्तमान में इसकी छात्र क्षमता 120 है। वित्त वर्ष 2012–13 में, आईटीआई में विकासात्मक क्रियाकलापों को करने के लिए 7,02,600/– रूपए की राशि खर्च की गई थी जिसके ब्यौरे निम्नानुसार हैः–

- **अनुदेशक विकास**

  वित्त वर्ष 2012–13 में आईटीआई के अनुदेशकों को 371 श्रम दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। संस्थान के अनुदेशकों को प्रशिक्षण प्रदान करने में 30,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 3,30,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। दी जाने वाली छात्रवृति की दर 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड है।

- **सिविल कार्य**

  आईटीआई में सिविल अनुरक्षण/निर्माण कार्य करने के लिए 5,32,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **इलेक्ट्रिकल कार्य/खरीद**

  आईटीआई में इलेक्ट्रिकल कार्य हेतु 2,56,000/–रूपए मूल्य की इलेक्ट्रिकल वस्तुओं की खरीद की गई थी।

7. आईटीआई–रोइंग

आईटीआई – रोइंग लोअर सुबानसीरी जिला, अरूणाचल प्रदेश में स्थित है। इसमें 9 ट्रेड है और वर्तमान में इसकी छात्र क्षमता 180 है। वित्त वर्ष 2012–13 में, निम्नलिखित क्षेत्रों में आईटीआई के उन्नयन के प्रति 10 लाखरूपए की राशि खर्च की गई थी :–

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 4,64,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। राशि 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड की दर से दी जाती है।

- **कार्यशाला औजार/उपकरण**

  कार्यशाला औजार तथा उपकरणों की खरीद के प्रति 5,36,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

8. आईटीआई–टनकपुर

आईटीआई – टनकपुर उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित है। इस आईटीआई को जनवरी, 2010 में वीटीआईपी योजना के अंतर्गत अपनाया गया था। इसमें 9 ट्रेड है और वर्तमान में इसकी छात्र क्षमता 273 है। वित्त वर्ष 2012–13 में, विकास के निम्नलिखित क्षेत्रों में उन्नयन क्रियाकलापों को करने के लिए 12 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी:–

- **अनुदेशक/प्रशिक्षणार्थी विकास**

  वित्त वर्ष 2012–13 में, आईटीआई के अनुदेशकों को 371 श्रम दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। संस्थान के अनुदेशकों को प्रशिक्षण मुहैया करवाने के प्रति 30,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **छात्रवृत्ति योजना**

प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 3,30,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। राशि 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड की दर से दी गई।

- **सिविल कार्य**

  सिविल अनुरक्षण/निर्माण कार्य करने के लिए 6,18,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **इलेक्ट्रिकल कार्य/खरीद**

  आईटीआई में इलेक्ट्रिकल कार्य हेतु इलेक्ट्रिकल वस्तुओं की खरीद पर 2,22,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

9. आईटीआई–पोखरा

आईटीआई – पोखरा उत्तराखंड के पौढ़ी गढ़वाल जिले में स्थित है। एनएचपीसी ने इस आईटीआई को जुलाई, 2009 में उत्कृष्टता हेतु केन्द्र (सीओई) योजना के अंतर्गत अपनाया था। इसमें 3 ट्रेड है और वर्तमान में इसकी छात्र क्षमता 79 है। वित्त वर्ष 2012–13 में, विकास के निम्नलिखित क्षेत्रों में उन्नयन क्रियाकलापों को करने के लिए 10 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी :–

- **अनुदेशक विकास**

  वित्त वर्ष 2012–13 में, आईटीआई के अनुदेशकों को 118 श्रम दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। आईटीआई के अनुदेशकों को प्रशिक्षण मुहैया करवाने के प्रति 50,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 1,20,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। राशि 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड की दर से दी गई।

- **सिविल कार्य**

  सिविल कार्य अर्थात आईटीआई के आधारभूत ढांचे के निर्माण/मरम्मत एवं अनुरक्षण को करने के लिए 2,50,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **इलेक्ट्रिकल कार्य**

  आईटीआई में इलेक्ट्रिकल कार्य करने के लिए 3,80,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

10. आईटीआई–रूद्रप्रयाग

आईटीआई – रूद्रप्रयाग उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में स्थित है। इस आईटीआई को दिसम्बर, 2008 में सार्वजनिक निजी भागीदारी योजना के अंतर्गत अपनाया था। इसमें 6 ट्रेड है और वर्तमान में इसकी छात्र क्षमता 256 है। वित्त वर्ष 2012–13 में, विकास के निम्नलिखित क्षेत्रों में आईटीआई में उन्नयन क्रियाकलापों को करने के लिए 10 लाख रूपए की राशि खर्च की गई थी :–

- **अनुदेशक विकास**

  वित्त वर्ष 2012–13 में, संस्थान के अनुदेशकों तथा प्रशिक्षणार्थियों को 124 श्रम दिवस का प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। आईटीआई के अनुदेशकों को प्रशिक्षण मुहैया करवाने के प्रति 50,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **छात्रवृत्ति योजना**

  प्रतिभावान प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 1,80,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी। राशि 30,000/–रूपए प्रति ट्रेड की दर से दी गई।

- **कम्प्यूटर प्रयोगशाला**

  कम्प्यूटर प्रयोगशाला हेतु कम्प्यूटर तथा अन्य विविध मदों को मुहैया करवाने के प्रति 2,00,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

- **पुस्तके, वॉल चार्ट तथा पुस्तकालय वस्तुएं**

  पुस्तकालय को पुस्तके, वॉल चार्ट तथा 50,000/–रूपए मूल्य की अन्य वस्तुएं मुहैया करवाकर अद्यतन बनाया गया था।

- **फर्नीचर 2,70,000/–**

  आईटीआई हेतु 2,70,000/–रूपए मूल्य का फर्नीचर मुहैया करवाया गया था।

- **पुस्तके, वॉल चार्ट तथा पुस्तकालय वस्तुएं**

  कार्यशाला हेतु औजार तथा उपकरणों की खरीद के प्रति 2,50,000/–रूपए की राशि व्यय की गई थी।

एनएचपीसी द्वारा किए गए उन्नयन क्रियाकलापों को दर्शाने वाली चित्र दीर्घा

आईटीआई का भवन – टनकपुर, अपनाए जाने से पूर्व तथा पश्चात

आईटीआई का भवन – पोखरा, अपनाए जाने से पूर्व तथा पश्चात

एनएचपीसी द्वारा दिए गए कार्यशाला उपकरण – बेंच ग्राइंडर

कटिंग तथा सिलाई कार्यशाला हेतु मुहैया करवाई गई मशीनें

आईटीआई, ऊरी में साक्षात्कार आयोजन तथा छात्रवृति चेकों का वितरण

आईटीआई–तबारीजो का पुस्तकालय, अपनाए जाने से पूर्व तथा उसके पश्चात

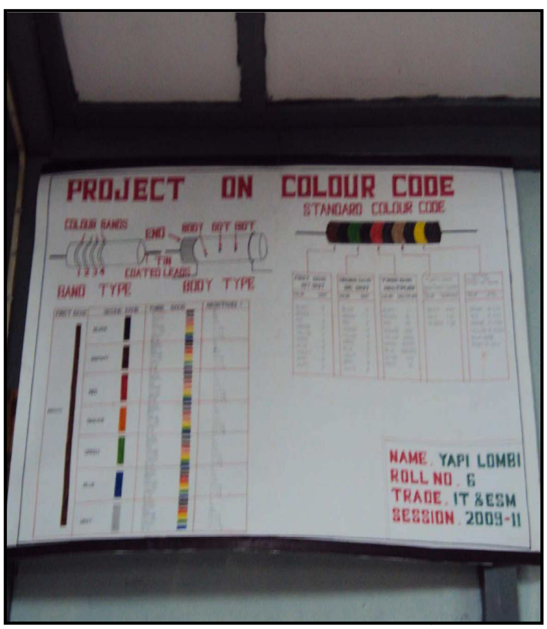

आईटीआई–तबारीजो को वॉल चार्ट मुहैया करवाए गए

आईटीआई, पोखरा में अपनाए जाने के पश्चात कक्षा तथा प्रयोगशाला का दृश्य

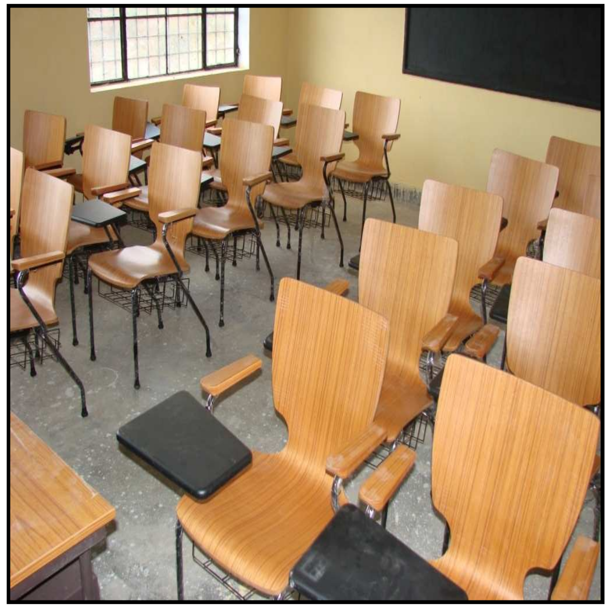

एनएचपीसी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए आईटीआई, पोखरा को नवीनतम श्रव्य–दृश्य इमदाद मुहैया करवाई गई है

भाग–ख

धारणीय विकास

धारणीय विकास परियोजनाएं/क्रियाकलाप

1. एमओयू कार्य–निष्पादन संकेतकों तथा लक्ष्यों के प्रति उपलब्धियां

क्रम सं.	क्रियाकलाप	हां/नहीं	बोर्ड के संकल्प की संख्या और तिथि	प्रस्तावित दस्तावेजीय साक्ष्य
1	क्या बोर्ड या उसकी नामित समिति द्वारा विशिष्ट एसडी योजना को पारित किया गया है	जी, हां।	निदेशक मंडल ने अपनी 6.7.2012 को हुई बैठक में धारणीय विकास क्रियाकलापों को क्रियान्वित करने के लिए 50 लाख + 100 करोड़ रूपए से अधिक होने पर कर पश्चात लाभ (पीएटी) के 0.1 प्रतिशत के गैर–व्यपगत बजट आवंटन हेतु अनुमोदन प्रदान किया था। उक्त बैठक के दौरान ही, निदेशक मंडल ने श्री ए.के.मागो, स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में धारणीय विकास संबंधी एक समिति का भी गठन किया था। निदेशक(तकनीकी) और निदेशक(परियोजनाओं) के अन्य सदस्यों के रूप में नामित किया गया था। इसके अतिरिक्त, एसडी समिति की तीन बैठकें 30 अगस्त, 2012, 09 नवम्बर, 2012 तथा 25 मार्च, 2013 को आयोजित की गई थी। निम्नलिखित क्रियाकलापों हेतु एसडी योजना तथा बजट अनुमोदित किया गया था : • 9 विद्युत गृहों पर स्वैच्छिक वनीकरण। • एनएचपीसी कालोनी तथा फरीदाबाद कार्यालय में 50 सौर लैम्पों का संस्थापन। • 3 स्थलों पर चार आरडब्ल्यूएच योजनाओं का क्रियान्वयन। • तीस्ता–5 विद्युत स्टेशन के अप्रैल–08 से सित्मबर–09 तक की उत्पादन अवधि हेतु जारी वीईआर के 1/3 की बिक्री। • कर्मचारियों हेतु एसडी प्रशिक्षण।	बोर्ड के संकल्प की प्रति प्रस्तुत। एसडी समिति की बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत।

तालिका 1 : धारणीय विकास समिति ब्यौरे

बोर्ड स्तरीय नामित समिति का नाम	बोर्ड स्तरीय नामित समिति के अध्यक्ष	वर्ष के दौरान लिए गए प्रमुख निर्णय	भारिता	प्रस्तावित दस्तावेजित साक्ष्य
1	2	3	4	5
धारणीय विकास संबंधी बोर्ड स्तरीय स्वतंत्र समिति	श्री ए.के.मागो, स्वतंत्र निदेशक	एमओयू के अंतर्गत 5 एसडी क्रियाकलापों की योजना तथा बजट का अनुमोदन (ऊपर उल्लिखित)	0.5 प्रतिशत	एसडी समिति की बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत।

तालिका 2 : वित्त वर्ष 2011–12 के कर पश्चात लाभ के प्रतिशत के रूप में कुल एसडी व्यय

क्रम सं.	कार्यनिष्पादन संकेतक	मापन इकाई	भारित	कार्य–निष्पादन लक्ष्य (करोड़ रूपए में)					प्रस्तावित दस्तावेजीय साक्ष्य
				उत्कृष्ट	बहुत अच्छा	अच्छा	ठीक	खराब	
1	वित्त वर्ष 2011–12 के कर पश्चात लाभ के प्रतिशत के रूप में कुल एसडी व्यय	%	1%	50 लाख रू + 0.1 % पीएटी : 3.17	50 लाख रू + 0.09 % पीएटी : 2.90	50 लाख रू + 0.08 % पीएटी : 2.67	50 लाख रू + 0.07 % पीएटी : 2.37.	50 लाख रू + 0.06 % पीएटी : 2.10.	वार्षिक रिपोर्ट 2012-13
				✓ कुल आवंटित बजट : **178.08 लाख रूपए** ✓ मार्च 2013 तक निर्मुक्त भुगतान : **86.58 लाख रूपए**					

तालिका 3 : एनएचपीसी द्वारा चुनी गई परियोजनाएं :

क्रम सं.	अनुसूची क/ख	परियोजना/ क्रियाकलाप	कार्य–निष्पादन संकेतक	परियोजना/ क्रियाकलाप पर कुल व्यय (लाख रूपए में)	अवधि एस/एम /एल	भारिता (%)	उत्कृष्ट रेटिंग के अनुसार निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	**अनुसूची–क**	**जैवविविधता संरक्षण**	परियोजना उद्देश्य : वनीकरण ईसीआई : एनएचपीसी के विद्युत स्टेशनों पर स्वैच्छिक रूप से पौधों को लगाया जाना (संख्या में)	35.44	एस	0.50	25,000	**प्राप्त लक्ष्य** 9 स्थलों पर 31 मार्च, 2013 तक पौधरोपण कार्य पूर्ण। कुल 29,127 पौधे लगाए गए।	25000 पौधों के एमओयू लक्ष्य के प्रति कुल 29,127 पौधे लगाए गए।
2	**अनुसूची–क**	**जल प्रबंधन**	परियोजना उद्देश्य : जल बचाने के व्यवहारों को अपनाना ओपीआई : एक स्थल पर वर्षा जल संचयन प्रक्रिया का क्रियान्वयन	28.16	एस	0.50	15.03.13	**प्राप्त लक्ष्य** बोर्ड स्तरीय एसडी समिति द्वारा 4 योजनाएं अनुमोदित की गई थी। दो योजनाओं में कार्य 15 मार्च, 2013 को उत्कृष्ट रेटिंग हेतु पूर्ण हुआ था। तीसरी योजना 31.03.2013 को पूर्ण हुई थी। चौथी योजना पर कार्य प्रगति पर है।	एक योजना के एमओयू लक्ष्य के प्रति आरडब्ल्यूएच की कुल 3 योजनाएं पूर्ण हुई।
3	**अनुसूची–ख**	**कार्बन प्रबंधन**	परियोजना उद्देश्य :					**प्राप्त लक्ष्य** आर एंड डी प्रभाग ने	8 अगस्त, 2012 को

क्रम सं.	अनुसूची क/ख	परियोजना/ क्रियाकलाप	कार्य–निष्पादन संकेतक	परियोजना/ क्रियाकलाप पर कुल व्यय (लाख रूपए में)	अवधि एस/एम/एल	भारिता (%)	उत्कृष्ट रेटिंग के अनुसार निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			तीस्ता–5 विद्युत स्टेशन के अप्रैल–08 से सित्मबर–09 तक की उत्पादन अवधि हेतु जारी वीईआर के 1/3 की बिक्री। एमपीआई : पहल लक्ष्यों का प्रतिशत जिसे प्राप्त किया जा चुका है।	शून्य	एस	0.50	80%	7,92,163 वीईआर के लक्ष्य के प्रति 10.2 लाख वीईआर की बिक्री की है। लक्ष्य प्राप्त।	पूर्ण।
4	**अनुसूची–क**	**ऊर्जा प्रबंधन**	परियोजना उद्देश्य : नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग ओपीआई : एनएचपीसी निगमित कार्यालय/ एनएचपीसी आवासीय कालोनी,	20.66	एस	0.50	50	**प्राप्त लक्ष्य** एनएचपीसी निगमित कार्यालय और आवासीय कालोनी में 50 सौर लैम्पों का संस्थापन।	50 सौर लैम्पों का संस्थापन 31 मार्च, 2013 तक पूरा कर लिया गया था।

क्रम सं.	अनुसूची क/ख	परियोजना/ क्रियाकलाप	कार्य–निष्पादन संकेतक	परियोजना/ क्रियाकलाप पर कुल व्यय (लाख रूपए में)	अवधि एस/एम /एल	भारिता (%)	उत्कृष्ट रेटिंग के अनुसार निर्धारित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
			फरीदाबाद में सौर विद्युत लैम्पों की स्थापना (संख्या में)						
5	**अनुसूची–ख**	**एसडी प्रशिक्षण**	परियोजना उद्देश्य : कर्मचारियों हेतु एसडी प्रशिक्षण एमपीआई : कर्मचारियों हेतु एसडी प्रशिक्षण के बाध्यकारी घंटे	2.32	एस	0.50	400	**प्राप्त लक्ष्य** दो प्रशिक्षण पूर्ण किए गए जिनके ब्यौरे निम्नानुसार है : 1) 28 जनवरी, 2013 को धारणीय विकास पर कार्यशाला 2) ''धारणीय व्यापार वृद्धि – लोग तथा प्रकृति के साथ मूल्य का सह–सृजन'' 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम – 18 से 20 नवम्बर, 2012	400 श्रम घंटे के निर्धारित एमओयू लक्ष्य के प्रति 616 श्रम घंटे का प्रशिक्षण पूर्ण

तालिका 4 : परियोजनाओं का मूल्यांकन

क्रम सं.	कार्य–निष्पादन संकेतक	मापन इकाई	भारित	उत्कृष्ट रेटिंग के अनुसार कार्य–निष्पादन लक्ष्य	टिप्पणियां
1	किसी स्वतंत्र बाहरी एजेंसी/विशेषज्ञ/परामर्शदाता आदि द्वारा मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की संख्या	सं. 5	0.50%	5	कुल 5 एसडी क्रियाकलापों का मूल्यांकन किया जा चुका है।

तालिका 5 : एसडी कार्य–निष्पादन रिपोर्ट का प्रकाशन :

क्रम सं.	क्रियाकलाप	भारित	लक्ष्य हां/नहीं	एसडी रिपोर्ट का तरीका (यदि सूचित की गई, तो क्या एकल एसडी रिपोर्ट के रूप में अथवा वार्षिक रिपोर्ट के एक भाग, आदि के रूप में)
1	एसडी कार्य–निष्पादन रिपोर्ट	0.50%	ळां	वित्त वर्ष 2012–13 हेतु एनएचपीसी की वार्षिक रिपोर्ट में एक पृथक अध्याय शामिल किया गया है।

2. एनएचपीसी की एसडी नीति का निरूपण तथा एसडी समिति का गठन

दिनांक 6.7.2012 को आयोजित निदेशक मंडल (बीओडी) की 348वीं बैठक के दौरान निम्नलिखित हेतु अनुमोदन प्रदान किए गए थे :

1) धारणीय विकास संबंधी एनएचपीसी की नीति।

2) एसडी क्रियकलापों के क्रियान्वयन हेतु 50 लाख रूपए + 100 करोड़ रूपए से अधिक होने पर कर पश्चात लाभ (पीएटी) के 0.1 प्रतिशत का गैर—व्यपगत बजट आवंटन।

एसडी क्रियकलापों के क्रियान्वयन हेतु गैर—व्यपगत बजट आवंटन की राशि 3.17 करोड़ रूपए है। यह डीपीई द्वारा विहित निम्नलिखित सूत्र पर आधारित है और गणना नीचे दी गई है :

पिछले वर्ष हेतु निवल कर पश्चात लाभ	एसडी परियोजनाओं/क्रियाकलापों हेतु प्रति वर्ष न्यूनतम व्यय (वित्त वर्ष) (लाभ प्रतिशत)
100 करोड़ रूपए तथा उससे अधिक	प्रति वर्ष 50 लाख रूपए + 100 करोड़ रूपए से अधिक होने पर कर पश्चात लाभ (पीएटी) के 0.1 प्रतिशत।

गणना :

क्रम सं.	शीर्ष	करोड़ रूपए में
क	वित्त वर्ष 2011—12 हेतु कर पश्चात लाभ	2771.77
ख	100 करोड़ रूपए से अधिक कर पश्चात लाभ	2671.77
ग	''ख'' का 0.1 प्रतिशत	2.67
घ	एसडी हेतु न्यूनतम व्यय (प्रति वर्ष 50 लाख रूपए + 100 करोड़ रूपए से अधिक होने पर कर पश्चात लाभ (पीएटी) का 0.1 प्रतिशत)	3.17 (2.67 + 0.50)

दिनांक 6.7.2012 को आयोजित उक्त बैठक के दौरान ही बोर्ड ने श्री ए.के.मागो, स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में धारणीय विकास संबंधी एक समिति का गठन भी किया था।

निदेशक (तकनीकी) और निदेशक (परियोजनाएं) को अन्य सदस्यों के रूप में नामित किया गया था। कार्यपालक निदेशक(आयोजना) को समिति के सचिव के रूप में नामित किया गया था।

एसडी समिति द्वारा की गई बैठकें

धारणीय विकास पर बोर्ड स्तरीय स्वतंत्र समिति की बैठकें 30 अगस्त, 2012, 09 नवम्बर, 2012 तथा 25 मार्च, 2013 को आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, समिति ने धारणीय विकास के अंतर्गत क्रियान्वयन हेतु विभिन्न योजनाओं को अनुमोदित किया और उक्त के क्रियान्वयन हेतु 178.08 लाख रुपए के बजट को भी अनुमोदित किया था।

3. धारणीय विकास क्रियाकलापों की क्रियान्वयन स्थिति

क : अनुसूची क के अंतर्गत क्रियाकलाप

जैवविविधता संरक्षण – स्वैच्छिक वनीकरण : समझौता–ज्ञापन लक्ष्य के अनुसार, 2500 पौधों को लगाया जाना अपेक्षित था। स्वैच्छिक वनीकरण 9 विद्युत स्टेशनों यथा दुलहस्ती, सलाल, चमेरा 1, चमेरा 2, बैरास्यूल, तीस्ता 5, टनकपुर, सेवा 2 तथा रंगित में किया गया था। 25000 पौधों के एमओयू लक्ष्य की तुलना में 31 मार्च, 2013 तक लगभग 29127 पौधे लगाए गए थे। चीड़, कीकर, चीनार, सिल्वर ओक, विलो, इंग्लिश विलो, अखरोट, सेब आदि जैसी प्रजाति के पौधे लगाए गए थे। पौधों के बचाव हेतु, पानी देने तथा बाड़ की व्यवस्था की गई थी।

जल प्रबंधन – वर्षा जल संचयन/जल संरक्षण : एमओयू लक्ष्य के अनुसार, एनएचपीसी को एक स्थल पर वर्षा जल संचयन योजना (आरडब्ल्यूएचएस) योजना क्रियान्वित करनी थी। तथापि, एनएचपीसी ने निम्नलिखित स्थलों पर चार आरडब्ल्यूएचएस को क्रियान्वित किया :

1) परियोजना अन्वेषण खंड (पीआईडी) फील्ड यूनिट पठानकोट, पंजाब में एक आरडब्ल्यूएचएस।

2) टनकपुर विद्युत स्टेशन, बनबसा, उत्तराखंड में दो आरडब्ल्यूएचएस।

3) पार्बती–2 जल विद्युत परियोजना, हिमाचल प्रदेश के निकट एक आरडब्ल्यूएचएस।

सभी चार आरडब्ल्यूएचएस, सिवाय पार्बती–2 जल विद्युत योजना के निकट होने वाली एक के अतिरिक्त, भू–जल रिचार्ज प्रणाली पर आधारित है। पार्बती–2 जल विद्युत परियोजना द्वारा ली गई योजना एक भंडारण तथा पुनः उपयोग योजना है, जिसे गारसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में क्रियान्वित किया गया है। पीआईडी फील्ड यूनिट पठानकोट और पार्बती

जल विद्युत परियोजना ने उत्कृष्ट रेटिंग हेतु एमओयू में दिए गए लक्ष्य के अनुसार 15 मार्च, 2013 तक आरडब्ल्यूएचएस के क्रियान्वयन को पूर्ण किया।

ऊर्जा प्रबंधन – सौर लैम्पों की स्थापना : एमओयू लक्ष्य के एक भाग के रूप में, कंपनी द्वारा फरीदाबाद में एनएचपीसी के निगमित कार्यालय और आवासीय कालोनी में कुल 50 सौर विद्युत चालित लैम्पों का स्थापन प्रस्तावित था। एनएचपीसी ने आवासीय कालोनी में 21 वाट प्रत्येक की 25 एलईडी आधारित सौर लाइटे लगाई है और निगमित कार्यालय, फरीदाबाद में विद्यमान 250 वाट की परम्परागत स्ट्रीट लाइटों को प्रतिस्थापित करते हुए अन्य 25 सौर लाइटें लगाई गई हैं।

ख : <u>अनुसूची ख के अंतर्गत क्रियाकलाप</u>

कर्मचारियों हेतु धारणीय विकास प्रशिक्षण : एनएचपीसी ने अपने कर्मचारियों के लिए दो धारणीय विकास प्रशिक्षण आयोजित किए थे। पहला प्रशिक्षण एनएचपीसी के कार्यपालकों हेतु 18 से 20 नवम्बर, 2012 के मध्य ओरछा, मध्य प्रदेश में तारा लाइवलीहुड एकेडमी में आयोजित किया गया था। यह ''धारणीय व्यापार वृद्धि – लोगों तथा प्रकृति के साथ मूल्य का सह–सृजन'' शीर्षक वाला धारणीय विकास संबंधी एक तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम था।

दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 जनवरी, 2013 को फरीदाबाद में आयोजित किया गया था जिसमें अत्यधिक वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों सहित 46 कार्यपालकों ने भाग लिया था। 400 श्रम घंटे के एमओयू लक्ष्य की तुलना में कुल 616 श्रम घंटों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

कार्बन प्रबंधन : स्वैच्छिक उत्सर्जन कमी (वीईआर) की बिक्री : एनएचपीसी ने स्वैच्छिक रूप से तीस्ता–5 विद्युत स्टेशन को प्रमाणीकृत कार्बन मानक (वीसीएस) के अंतर्गत दर्ज करवाने की पहल की थी, और यह वीसीएस 2007.1 खंड के अंतर्गत तीस्ता–5 विद्युत

स्टेशन के वैधीकरण में समर्थ हुई थी। एनएचपीसी को एसडी के अंतर्गत तीस्ता–5 विद्युत स्टेशन हेतु अप्रैल–08 से सितम्बर–09 तक की उत्पादन अवधि के लिए जारी वीईआर के 1/3 के 80 प्रतिशत की बिक्री का लक्ष्य दिया गया था। अतः उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त करने के लिए लक्ष्य मार्च, 2013 तक 7,92,163 वीईआर की बिक्री करने का था। उत्कृष्ट रेटिंग के साथ एमओयू लक्ष्य को 8.20 लाख वीईआर की बिक्री के पश्चात 8 अगस्त, 2012 को प्राप्त कर लिया गया। बाद में एनएचपीसी ने अतिरिक्त वीईआर की बिक्री की थी। अतः एनएचपीसी द्वारा वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 10.90 लाख वीईआर की बिक्री की गई थी जो 80 प्रतिशत के एमओयू लक्ष्य की तुलना में 110.10 प्रतिशत होता है।